ISSN : 2319-6513

साहित्य वीथिका

Sahitya Vithika

Peer Reviewed Bilingual Bi-Annual Reserach Journal

(अर्धवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय शोध-पत्रिका)

वर्ष : २ अंक : ३ दिसम्बर - २०१३

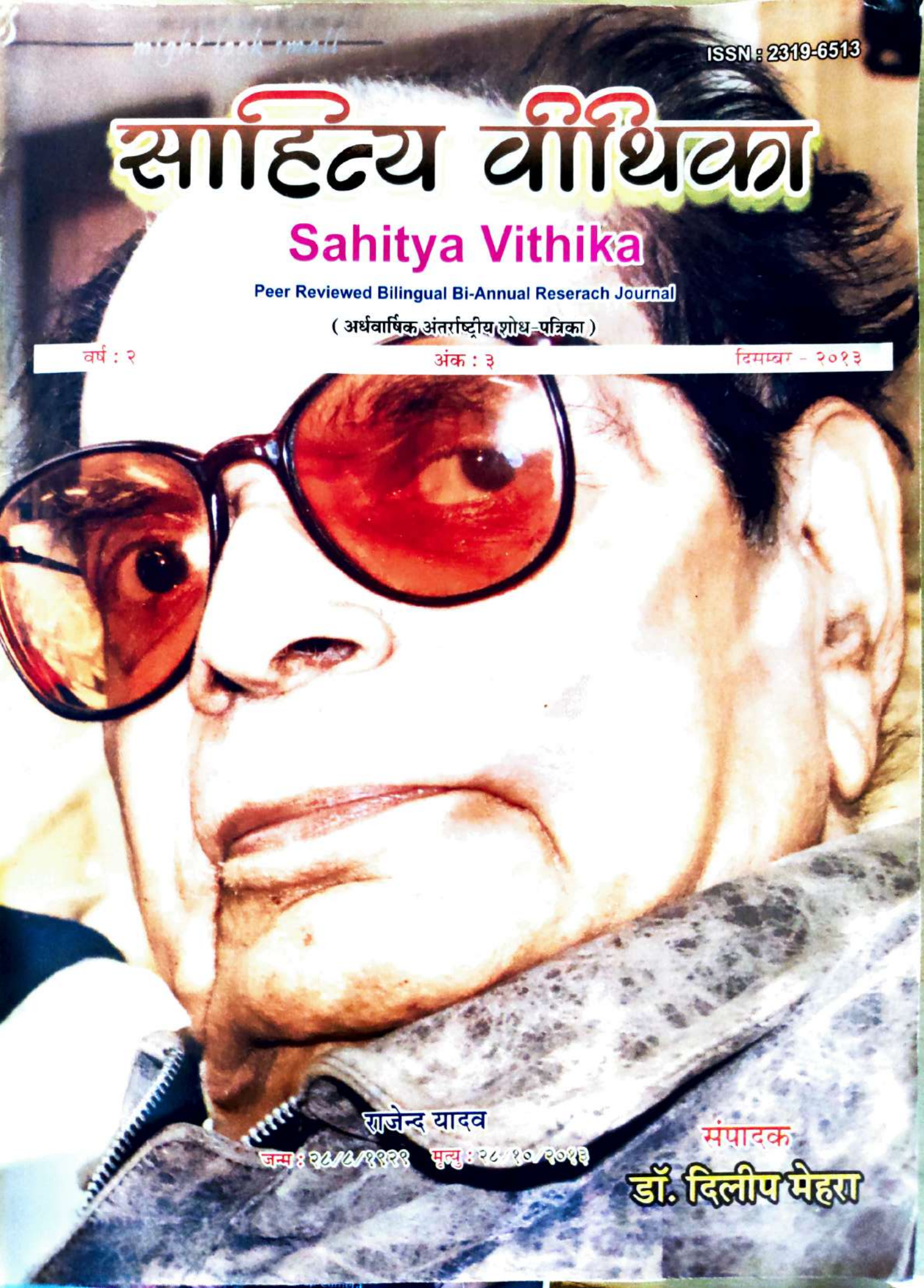

राजेन्द्र यादव

जन्म : २८/८/१९२९ मृत्यु : २८/१०/२०१३

संपादक

डॉ. दिलीप मेहरा

ISSN : 2319-6513

साहित्य वीथिका

वर्ष : २ अंक : ३ दिसम्बर - २०१३

संपादक
डा. दिलीप मेहरा

❖

परामर्शक
डा. पारुकान्त देसाई
डा. दयाशंकर
प्रो. जे के. सिंह

❖

संरक्षक : डा. मालती दूबे

❖

सम्पादक मण्डल
डा. शिवप्रसाद शुक्ल,
डा. प्रेमचन्द कोराली
डा. खन्नाप्रसाद अमीन,
श्री के एस. मेहरा

❖

कला सज्जा : प्रा. सहदेव लुहार

❖

व्यवस्थापकीय पता
शोभा मेहरा
बी-३, नीलकंठ बंगलोज़,
पंचायत अस्पताल रोड़,
नानाबाजार, वल्लभविद्यानगर,
गुजरात-३८८१२०
Email :sahityavithika68@yahoo.com
सचलभाष-९४२६३६३३७०
दूरभाष-०२६९२२३१७५०

Peer reviewed bilingual bi-annual research journal

पत्रिका में प्रकाशित कविता, लेखादि में अभिव्यक्त विचारों से प्रकाशक या सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं। समस्त विवादों के लिए न्यायालय का क्षेत्र आणंद, गुजरात होगा।

सदस्यता शुल्क
वार्षिक २०० रुपये
पंचवार्षिक ५०० रुपये
आजीवन २००० रुपये

❖

संस्था के लिए
वार्षिक ३०० रुपये

अनुक्रमणिका

●	एक दिन राजेन्द्र यादव के साथ (संस्मरण)	- डा. दिलीप मेहरा	२
१.	गुजराती और हिन्दी : अन्तः संबंध के चौराहे पर	- डा. रंजना अरगड़े	४
२.	अज्ञेय की कविता में प्रेम की सृष्टि	- डा. नयना डेलीवाला	७
३.	गालिब और कबीर की कविता : एक तुलनात्मक विश्लेषण	- डा. मोहम्मद अज़हर ढेरीवाला	९
४.	सुधियों की सुगंध : विचारों की क्रांति	- डा. इल्यास आर. जेठवा	१२
५.	हिन्दी गीत परंपरा और हरिवंशराय बच्चन	- डा. अनिलकुमार सिंह	१५
६.	कबीर मानवतावादी फकीर	- डा. जशाभाई पटेल	१८
७.	निराला की काव्य साधना	- प्रा. सुनील बारीआ	२०
८.	जगदीशचन्द्र के उपन्यासों में वर्गभेद की समस्याएँ	-डा. सारस्वत एम. परमार	२२
९.	इलेक्ट्रा कोम्प्लेक्स से पीड़ित 'राधिका'	-डा. एम. जी. गांधी	२४
१०.	आधुनिक नारी की त्रासदी और संकल्प का दस्तावेज : छिन्नमस्ता	-डा. कल्पना बुद्धदेव	२६
११.	आंचलिक यथार्थ की अभिनव अभिव्यक्ति : 'मैला आँचल'	- डा. के एम. मायावंशी	२८
१२.	अनुवाद की उपयोगिता और महत्व	- विनीता पंडित	३०
१३.	राष्ट्रभाषा-प्रचार-आंदोलन में गांधीजी का योगदान	- आरती राठौर	३४
१४.	भगवतीचरण वर्मा की साहित्य-दृष्टि	- संगीता डी. पटेल	३६
१५.	भारतीय नारी का आधुनिक रूप : 'शाल्मली'	- डा. गिरीश सोलंकी	३९
१६.	अकेलापन एवं उपेक्षा की भयावहता बनाम जीवन की सुर ध्वनि : समय सरगम	- डा समीर प्रजापति	४१
१७.	मेरी दृष्टि में 'थमेगा नहीं विद्रोह'	- फूलचन्द गुप्ता	४३
१८.	'नीला आकाश' उपन्यास में दलित विमर्श	- नवीनकुमार जी. भुरिया	४५
१९.	हिन्दी साहित्य के उपन्यास दृष्टा : अभिमन्यु अनत	- सोलंकी धर्मेश डी.	४८
२०.	डा. अम्बाशंकर नागर एवं उनकी कहानी 'तानारीरी'	- डा. अमी दवे	५०
२१.	समकालीन हिन्दी नाटकों में राजनीतिक व्यंग्य	- डा. एन. टी. गामित	५२
२२.	लोकसाहित्य का स्वरूप	- डा. हसमुख परमार	५६
२३.	प्रतिरोध की संस्कृति और भारतीय स्त्री-विमर्श : हृषीकेश सुलभ के बटोही नाटक के विशेष संदर्भ में	- डा. सुनील कुलकर्णी	६०
२४.	अज्ञेय का संस्मरण साहित्य	- डा. सुरेश पटेल	६४
२५.	वर्तमान परिप्रेक्ष्य में दलित और अश्वेत आत्मकथाओं की प्रासंगिकता	- डा. अभय परमार	६५
२६.	गुजराती कहानियों में नारी की छबि	- डा. गिरीश चौधरी	६७
२७.	देवदासी के नाम देहदासी- एक सामाजिक दुषण	- डा. विभा ठाकर	७१
२८.	महादेवी वर्मा के काव्य में वेदना	- श्री बाबूभाई डी. नगोता	७२
२९.	सामाजिक परिस्थिति और कंकु का नारीत्व	- डा. अनीता सालुंके	७४
३०.	ग्राम्य विकास और प्राथमिक शिक्षा	- प्रा. रमीलाबहन बी.	७५
३१.	कसौटी	- डा. शिव प्रसाद शुक्ल	७९
32.	**Narrative Devices in Bharati Mukherjee's Novel**	- Prof. Dr. Prakash M. Joshi	८१
33.	**'You Can't Represent Us' – 'Yes, We Can':Rekindling Gujarati Dalit-non-Dalit Literature Debate**	- Madhav Astik	८४
34.	**What makes an Indian English Literary Canon? – A Case of Post-1980s Fiction**	-Sahdev Luhar	८७
35.	**Western *Siddhartha* in Indian Wrapper You never know how you look (at yourself) through other people's eyes.**	- Vishal Bhadani	९०

● काव्यसृष्टि :
मालती दुबे, डा. पंकज लोचन सहाय 'कमल', महेन्द्र भटनागर, सुशील कुमार, अनु पाण्डेय, अशोक तिवारी, प्रमलेश शुक्ल, विनीता, डा. जगन्नाथ पंडित, डा. खन्नाप्रसाद अमीन, जितेन्द्र वसावा